

भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †164
सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

मुर्शिदाबाद के लिए पर्यटन सर्किट का विकास

†164. श्री अबू ताहेर खान:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का विचार ऐतिहासिक स्थल मुर्शिदाबाद को पर्यटन सर्किट बनाने का है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) क्या सरकार का विचार मुर्शिदाबाद तक देश के बाकी हिस्सों विशेषकर कोलकाता से सीधे कम समय में और आरामदायक यात्रा के लिए परिवहन व्यवस्था में सुधार करने का है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं 'स्वदेश दर्शन' (एसडी) और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के माध्यम से पश्चिम बंगाल राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। अवसंरचना सुधार के प्रस्तावों पर परियोजना की मेरिट, निधियों की उपलब्धता एवं योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर विचार किया जाता है। उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अंतिम छोर तक संपर्कता के लिए अन्य मंत्रालयों के साथ संपर्क में है तथा पर्यटन स्थलों के एकीकृत विकास को बढ़ावा दे रहा है।

श्री अबू ताहेर खान द्वारा मुर्शिदाबाद के लिए पर्यटन सर्किट का विकास के संबंध में दिनांक 21.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †164 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(i) पश्चिम बंगाल राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	तटीय परिपथ (2015-16)	तटीय परिपथ: उदयपुर- दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेसरगंज - बक्खलाई - हेनरी द्वीप का विकास	67.99

(ii) पश्चिम बंगाल राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत
1.	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03
